दर्शिता कायम रखने को कहा है.

सोमवार को 52 बच्चों को शिक्षा के विकास के प्रति अनुमन बनाने की बात कही.

अब गरीब के बच्चे भी बन सकेंगे डॉक्टर

चिकित्सा शिक्षा को पूरा करने में बड़ा गैप : भानु

संवाददाता

रांची : अब गरीब के बच्चों का सपना पूरा हो सकेगा, वह भी अब डॉक्टर बन सकेंगे. उनके सपनों को साकार करेगा फिलीपींस का हेल्थ केयर मैनेजमेंट इंटरनेशनल(एचएमसीआइ). इस बारे में एचएमसीआइ के एमडी बलजीत सिंह ने सोमवार को पत्रकारों को बताया कि यह संस्थान शिक्षा समाधान के जरिये झारखंड, बिहार व ओड़िशा में बेहतर काम कर रहा है. यह संस्थान मेडिकल की पढ़ाई करनेवाले छात्रों को बेहतर माहौल देता है. उन्होंने संस्थान में नामांकन की प्रक्रिया के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इसके लिए इच्छुक विद्यार्थियों को एक जांच परीक्षा से होकर गुजरना पड़ेगा, जो रांची में होगा. नामांकन फॉर्म वेबसाइट पर मौजूद रहेगा. परीक्षा की तिथि 30 जुलाई निर्धारित की गयी है. विद्यार्थी नामांकन फॉर्म 27 जुलाई तक एचएमसीआई कार्यालय में जमा कर सकते हैं. मौके पर मानव संसाधन मंत्री बंधु तिर्की ने कहा कि राज्य में मेडिकल कॉलेजों की कमी है और ऐसी परिस्थिति में अगर फिलीपींस से प्रस्ताव आये, तो यह हर्ष की बात है. सबसे खुशी की बात यह है कि यह संस्थान इस राज्य के करीब 10 एसटी-एसी बच्चों को नि:शुल्क फिलीपींस में मेडिकल की पढ़ाई कराने का बीड़ा उठाया है. उन्होंने सरकारी स्तर पर हरसंभव सहायता देने का भी आश्वासन दिया. इस मौके पर स्वास्थ्य मंत्री भानु प्रताप शाही ने कहा कि यहां सात हजार चिकित्सकों की आवश्यकता है. फिलीपींस ने अपना प्रस्ताव सौंप कर राज्य के लिए एक नयी उम्मीदको जन्म दिया है. इस मौके पर फिलीपींस एचएमसीआई की डीन डॉ सिसिलिवा व आकाश कुमार सहित कई अन्य लोग मौजूद थे.

राज्य में मेडिकल कॉलेजों की कमी है : बंधु

कार्यक्रम में बंधु तिर्की, भानु प्रताप शाही व अन्य.